

Name: _____

Date: June 27, 2020

TRUE / False : WHY ?

- F (1) अविद्याज्ञान की विद्युच्छिन्न मनःपर्यवसान करना अर्थात् अविद्याज्ञान मिथ्यादृष्टि से पक्ष धार्य अथवा मनःपर्यवसान १-१२ में स्थाने
- F (2) अज्ञानं दृष्टावक ने मनःपर्यवसान हेतु अज्ञान हेतु रजः रवेसा मृत्ति न दीया, अविद्याज्ञान हेतु रजः
- F (3) मोक्षमां कोटो परहेतुं गतुं एतुं ते केषुचिन्मगवान् कुरी शिके मोक्ष अनादि - अनंत ही, केषुचिन्मग नाम न आय शिके.
- F (4) केषुचिन्मग को साधे पांय ज्ञान एतुं शिके केषुचिन्मग एतुं एतुं जातीना ज्ञान की किंमत नही के उपरांत नही
- ? (5) विमंग ज्ञान कोने कहयो व ? मिथ्या दृष्टिना ज्ञानने
- T (6) मिथ्यादृष्टि लव ने अविद्याज्ञान एतुं शिके ने अविद्याज्ञानने विमंगज्ञान त्रयोय
- ? (7) हेतुनीत अवस्था कोने कहयो व ? हेतुके उपर उठे ने अवस्था
- ? (8) ज्ञानज्ञानको एतुपेशाम् अथारवा शुं त्रयुं नोपयो? ज्ञान-ज्ञानी- ज्ञानना साधने नुं लघुमान त्रयुं गुणेको विनय त्रयो, शास्त्रोको साध्यास त्रयो ज्ञाननी साध्याना न त्रयो. ॐ ह्रीं नमो नागुसेस नो नोपत्यो. सरस्वती देवीनी उपासना त्रयो.
- ? (9) वस्तुनी ज्ञानि बुद्धी यी-नको एतुं वस्तुनुं मुख्यकण बुद्धी अथ-को. एतुको आधीने एतु-त्रयुं साधनमां समजयो. आपको सामाधिक विधि ज्ञानको त्री एतुं पुष्टियां ज्ञायत एतुं विधि ज्ञानको त्रयो. एतुको जनेको ज्ञानि सरथ एतुं. आपकोको मात्र ज्ञिया त्रयोको एतुको अथारे पुष्टियां नुं सामाधिक मय पूर्वकनुं एतुं एतुको तने मुख्यकण समजयुं.
- ? (10) दुंदलिया ज्ञानके कथा साध्यार्थने साध्या मांको एतुकीने साध्यार्थमां वहुं दुजता जयाव्या ? रजनांतरसु री साध्यार्थको साध्यार्थको मांको शुं त्रयुं ? साध्यार्थको पर नथने संसृजन लक्षमां रजनांतर परथए जयाव्य ने साध्यार्थको त्रयुं.